Class 10 Sub-Sanskrit Reader Ch-7. Date:20 -8-20

दिए गए कार्य को Copy में पूर्ण करें।

लोकहितं मम करणीयम्ल घूत्तरात्मक – प्रश्नाः

प्रश्न 1.
त्वरणीयम्, तरणीयम् च इत्यनयोः द्वयो कः अर्थभेदः? –
(त्वरणीयम् और तरणीयम् शब्दों में क्या अर्थ-भेद है?)
उत्तरम्:
त्वरणीयम् = त्वरया करणीयम्, तरणीयम् = तीर्वा पारं करणीयम्। (त्वरणीयम् = जल्दी करना चाहिए, तरणीयम् = तैरकर पार करना चाहिए।)

प्रश्न 2.
अस्माभिः कुत्र सञ्चरणीयम्? – (हमें कहाँ संचार करना चाहिए?)
उत्तरम्:
यत्र बन्धु जनाः गहनारण्ये च घनान्धकारे गवरे स्थिताः सन्ति तत्र सञ्चरणीयम्। (जहाँ भाई लोग गहन वन में और सघन अन्धकार की कन्दरा में स्थित हों, वहाँ संचरण करना चाहिए।)

प्रश्न 3.

अधोलिखित-पदानां पर्यायपदं पाठात् अन्विष्य लिखन्तु –

(निम्नलिखित पदों के पर्यायवाची पद पाठ से ढूँढ़कर लिखिए-)

उत्तरम्:

पदम्	पर्याय-पदम्
1. जनकल्याणम्	लोकहितम्
2. वाण्या	वचसा
3. चलनीयम्	चरणीयम्
4. बान्धवा:	बन्धुजना:
5. तमसि	अन्धकारे

प्रश्न 4.

स्थूलपदमाधृत्य प्रश्न-निर्माणं कुर्वन्तु – (मोटे पदों के आधार पर प्रश्न-निर्माण कीजिए-)

(i) अहर्निशं जागरणीयम्।

उत्तरम्:

कदा जागरणीयम्?

(ii) न जातु दुःखं गणनीयम्।

उत्तरम्:

न जातु किं गणनीयम् ?

(iii) न भोगभवने रमणीयम्।

उत्तरम्:

कुत्र न रमणीयम्?

(iv) मनसा सततं स्मरणीयम्।

उत्तरम्:

केन सततं स्मरणीयम्?

स्थूलपदमाधृत्यं प्रश्ननिर्माणं कुरुत – (मोटे पदों के आधार पर प्रश्न निर्माण कीजिए-)

प्रश्न 1.

मनसा **सततम्** स्मरणीयम्। (मन से निरन्तर याद करना चाहिए)।

उत्तरम्:

मनसा कथम् स्मरणीयम्? (मन से कैसे याद करना चाहिए?)

प्रश्न 2.

वचसा सततं वदनीयम्। (वाणी से निरन्तर बोलना चाहिए।)

उत्तरम्:

केन सततं वदनीयम्? (किससे निरन्तर बोलना चाहिए?)

प्रश्न 3.

भोगभवने न रमणीयम्। (भोगभवन में रमण नहीं करना चाहिए।)

उत्तरम्:

कुत्र न रमणीयम्? (कहाँ रमण नहीं करना चाहिए?)

प्रश्न 4.

सुखशयने न **शयनीयम्**। (सुख शयन पर सोना नहीं चाहिए।)।

उत्तरम्;

सुख शयने कि न करणीयम्? (सुखद शयन पर क्या नहीं करनी चाहिए?)

प्रश्न 5.

अहर्निशं जागरणीयम्। (दिन-रात जागना चाहिए)।

उत्तरम्:

कदा जागरणीय? (कब जागना चाहिए?)

प्रश्न 6.

न जातु **दुःख** गणनीयम्। (दुःख कदापि नहीं गिनना चाहिए)।

उत्तरम्:

किं न जातु गणनीयम्? (कदाचित क्या नहीं गिनना चाहिए?)

प्रश्न 7.
निजसौख्यं न मननीयम्। (अपना सुख नहीं सोचना चाहिए)।
उत्तरम्:
किम् न मननीयम्? (क्या नहीं सोचना चाहिए?)

प्रश्न 8.
कार्य-क्षेत्रे त्वरणीयम्। (कार्यक्षेत्र में शीघ्रता करनी चाहिए)।
उत्तरम्:
कस्य क्षेत्रे त्वरणीयम्? (किसके क्षेत्र में जल्दी नहीं करनी चाहिए?)

प्रश्न 9.
दुःखसागरे तरणीयम्। (दुःख के सागर में तैरना चाहिए।)
उत्तरम्:
कस्मिन् तरणीयम्? (किसमें तैरना चाहिए?)